No. of Printed Pages : 4

BSKG–178

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.जी.-178 : प्राचीन भारतीय राजनीति

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत* ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$10 \times 5 = 50$

(i) राजनीतिक विचारों का धर्म, अर्थ एवं नीति से क्या सम्बन्ध है ? विवेचना कीजिए।

(ii) शुक्राचार्य एवं कामन्दक के राजनैतिक चिन्तन को स्पष्ट कीजिए।

(iii) भारतीय राजतंत्र के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए 'राजधर्म' एवं 'मत्स्य न्याय' पर प्रकाश डालिए।

(iv) राजा के गुण का वर्णन करते हुए उसके दैवी उत्पत्ति के सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

(v) 'अर्थशास्त्र' में वर्णित राजकीय न्यायालय 'धर्मस्थीय' एवं 'कण्टकशोधन' का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(vi) 'मनुस्मृति' के आधार पर दण्ड की उत्पत्ति एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

(vii) 'अर्थशास्त्र' के आधार पर 'षड्गुण' सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$8 \times 5 = 40$

(i) प्राचीन काल की ग्रामीण व्यवस्था के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए सभा, पंचकुल एवं पंचायत पर प्रकाश डालिए।

(ii) प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित अन्तर्राज्यीय सम्बन्ध के सिद्धान्त पर प्रकाश डालते हुए साम, दाम, दण्ड, भेद का वर्णन कीजिए।

(iii) 'ऋणादान' एवं 'निक्षेप' का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(iv) 'अर्थशास्त्र' एवं 'शुक्रनीति' के आधार पर 'मंत्रिपरिषद्' का वर्णन कीजिए।

(v) 'सप्ताङ्ग सिद्धान्त' पर प्रकाश डालिए।

(vi) प्राचीन भारतीय गणतंत्र का परिचय देते हुए बौद्ध साहित्य का वर्णन कीजिए।

(vii) 'मनुस्मृति' के आधार पर 'न्यायाधिकारी' के गुण–दोष का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$5 \times 2 = 10$

(i) दण्डनीति

(ii) मण्डल सिद्धान्त

(iii) सभा व समिति

(iv) धर्म के स्रोत

× × × × ×